कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS • IPS • MPPSC • CJ-II

CURRENT AFFAIRS

03rd JULY 2023

1. चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री मार्ग
2. डेब्रीगढ़ वन्यजीव अभयारण्य
3. भारत दूसरा सबसे बड़ा राजमार्ग नेटवर्क वाला देश
4. भारत का चालू खाता घाटा
5. कोसोवो

SWIPE

चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री मार्ग

- हाल ही में **केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल** ने बिजनेसलाइन को बताया कि भारत और रूस चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री मार्ग को चालू करने के इच्छुक हैं, और विवरण तैयार करने के लिए सितंबर में एक हितधारक बैठक निर्धारित की गई है।
- व्लादिवोस्तोक-चेन्नई मार्ग जापान सागर, दक्षिण चीन सागर और मलक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।

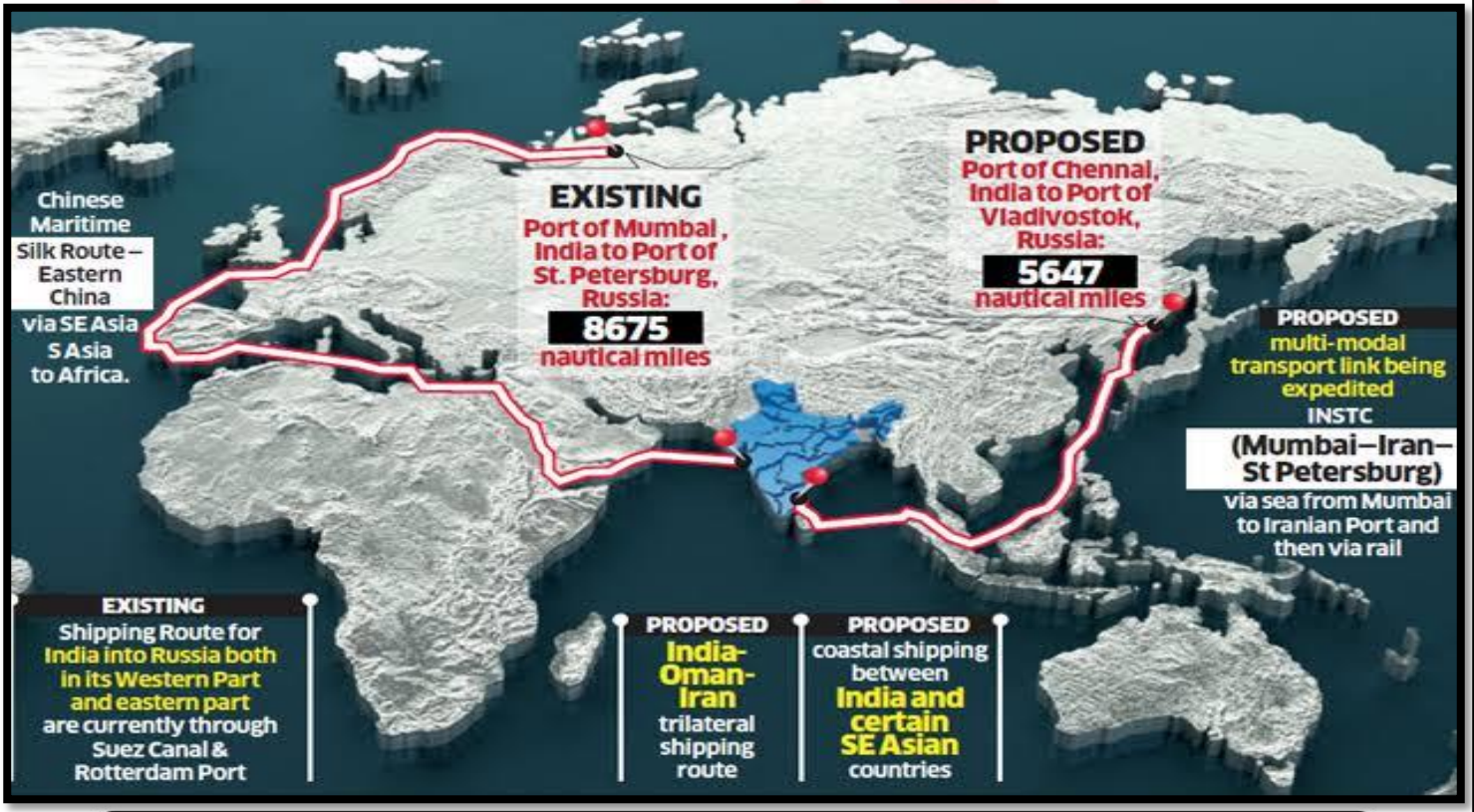

- **वर्ष 2019** की यात्रा के दौरान भारत के प्रधानमंत्री ने रूसी राष्ट्रपति के साथ **'व्लादिवोस्तोक बंदरगाह और चेन्नई बंदरगाह के बीच समुद्री संचार के विकास'** पर एक आशय पत्र (MoI) पर हस्ताक्षर किये।
- इस मार्ग की खासियत है कि यह परिवहन समय को घटाकर 10-12 दिन कर देगा जो कि सेंट पीटर्सबर्ग से मुंबई तक के मौजूदा मार्ग में लगने वाले परिवहन समय का यह लगभग एक-तिहाई है।
- इस मार्ग की सहायता से परिवहन की लागत में 30% की उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है।
- यह भारत को मंगोलिया जैसे देशों सहित सुदूर पूर्व तक पहुँच और दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में मुख्य उपस्थिति भी प्रदान करेगा।
- इस समुद्री मार्ग की लंबाई लगभग 5,600 समुद्री मील या लगभग 10,300 किमी. होगी।
- लगभग 20-25 समुद्री मील या 37-46 किमी./घंटा की सामान्य गति वाला एक बड़ा समुद्री जहाज़ लगभग 10-12 दिनों में यह दूरी तय कर लेगा।
- यह इंडो-पैसिफिक (Indo-Pacific) और विशेष रूप से दक्षिण चीन सागर में भारत की मौजूदगी को भी बढ़ाएगा।

➔ इस कदम का एक अन्य उद्देश्य चीन के महत्त्वाकांक्षी मैरीटाइम सिल्क रूट (Maritime Silk Route-MSR), जो कि बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (Belt and Road Initiative) का हिस्सा है, का प्रत्युत्तर भी है।

➔ **व्लादिवोस्तोक** – व्लादिवोस्तोक रूस के प्रशांत तट (Pacific Coast) पर सबसे बड़ा बंदरगाह है।इसके अलावा यह प्रसिद्ध ट्रांस साइबेरियन रेलवे (Trans Siberian Railway), जो कि रूस के सुदूर पूर्व को रूस की राजधानी मॉस्को (Moscow) और पश्चिम में यूरोप के देशों से जोड़ता है, का अंतिम स्टेशन भी है।

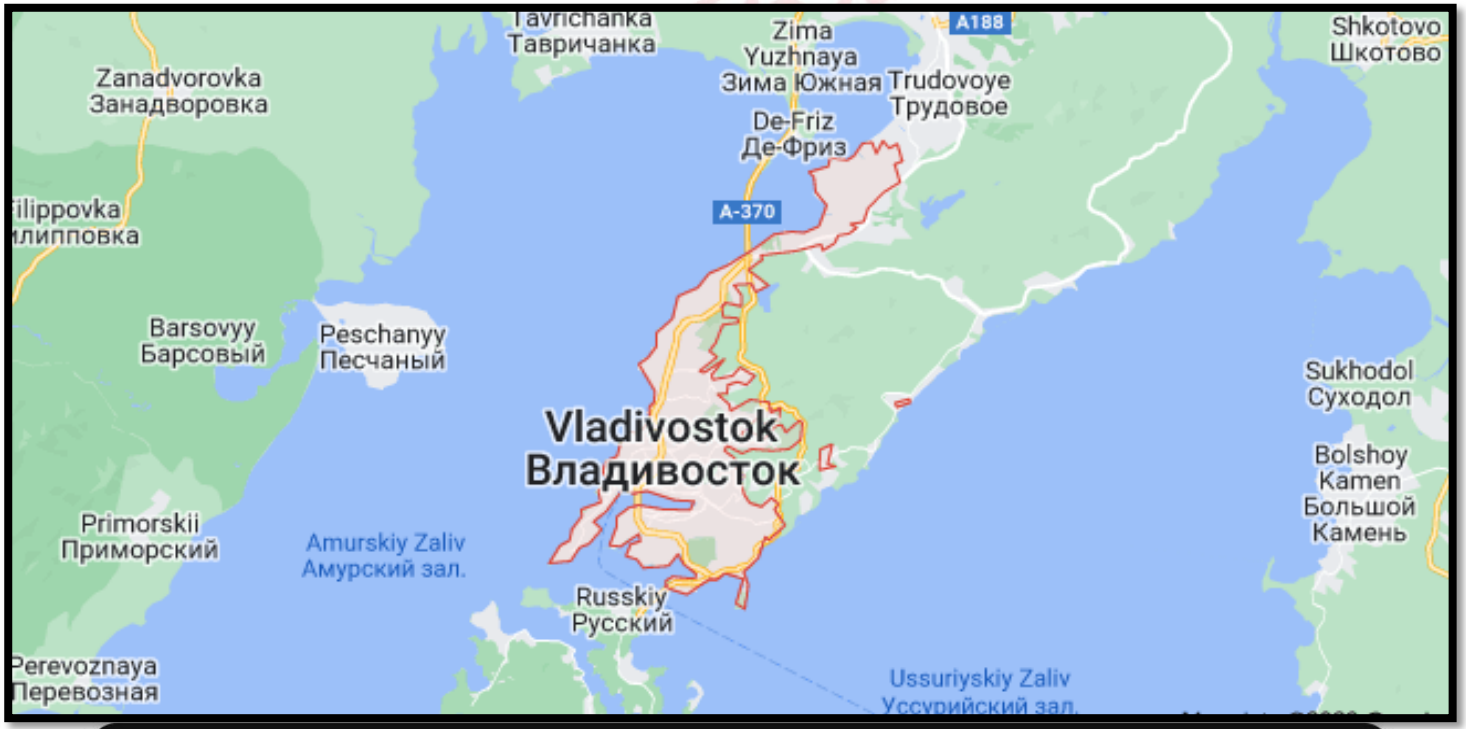

➔ **दक्षिण चीन सागर –** पश्चिमी प्रशांत महासागर की एक शाखा जो दक्षिण पूर्व एशियाई मुख्य भूमि की सीमा बनाती है। ब्रुनेई, कंबोडिया, चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस सिंगापुर, ताइवान, थाईलैंड और वियतनाम से घिरा हुआ है।

- यह ताइवान जलसंधि द्वारा पूर्वी चीन सागर और लूजॉन जलसंधि द्वारा फिलीपीन सागर (प्रशांत महासागर के दोनों सीमांत समुद्र) से जुड़ा हुआ है।
- इसमें तीन द्वीपसमूह शामिल हैं, अर्थात्, स्प्रैटली द्वीप समूह, पार्सल द्वीप समूह, प्रतास द्वीप समूह और मैकल्सफ़ील्ड बैंक तथा स्कारबोरो शोल।

डेब्रीगढ़ वन्यजीव अभयारण्य

- डिशा के **बरगढ़ ज़िले** में स्थित एक वन्यजीव अभयारण्य डेब्रीगढ़ ने किसी भी मानव बस्ती से पूरी तरह मुक्त होकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।
- डेब्रीगढ़ वन्यजीव अभयारण्य ओडिशा के बरगढ़ जिले में, संबलपुर शहर के पास और हीराकुंड बांध के निकट स्थित है।
- अभयारण्य **कुल 346.91 किमी^{2}** क्षेत्र में फैला है, जो वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के लिए पर्याप्त स्थान प्रदान करता है।
- राज्य वन और पर्यावरण विभाग के अनुसार, डेब्रीगढ़ अभयारण्य, जिसे एक बाघ अभयारण्य बनाने का प्रस्ताव है, में बड़े एवं मांसाहारी पशुओं के लिये उच्च शिकार पाए जाने की बहुत संभावना है।
- यह अभयारण्य भारतीय बाइसन, जंगली सूअर, सांभर और मोर जैसे जानवरों का निवास स्थान है।
- इस अभयारण्य में **चार सींग वाला मृग (चौसिंघा),** जो IUCN की रेड लिस्ट में असुरक्षित के रूप में सूचीबद्ध है, भी पाया जाता है।
- हीराकुंड जलाशय एक रामसर स्थल और अंतर्राष्ट्रीय पक्षी क्षेत्र भी इस अभयारण्य के निकट में ही स्थित है।

➔ इस अभयारण्य की प्रसिद्धि का एक अन्य कारण प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी वीर सुरेंद्र साई हैं, जिन्होंने अंग्रेज़ों के खिलाफ विद्रोह के दौरान इसी अभयारण्य के भीतर स्थित **'बारापथारा'** में अपना ठिकाना बनाया था।

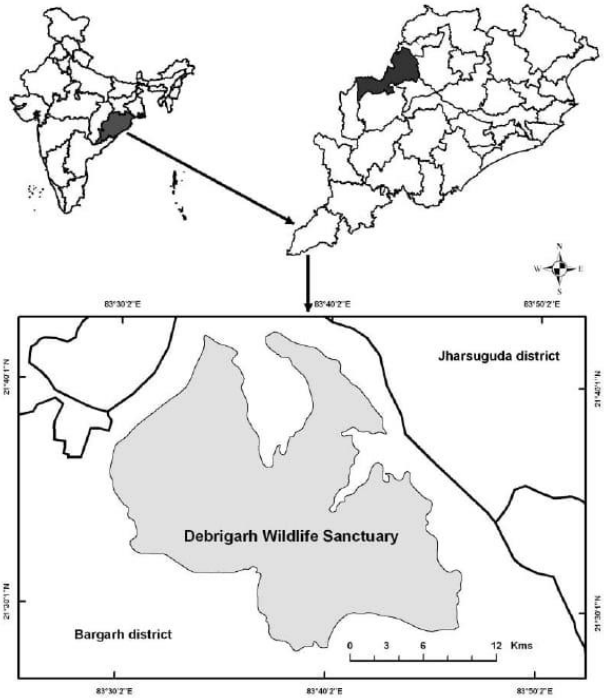

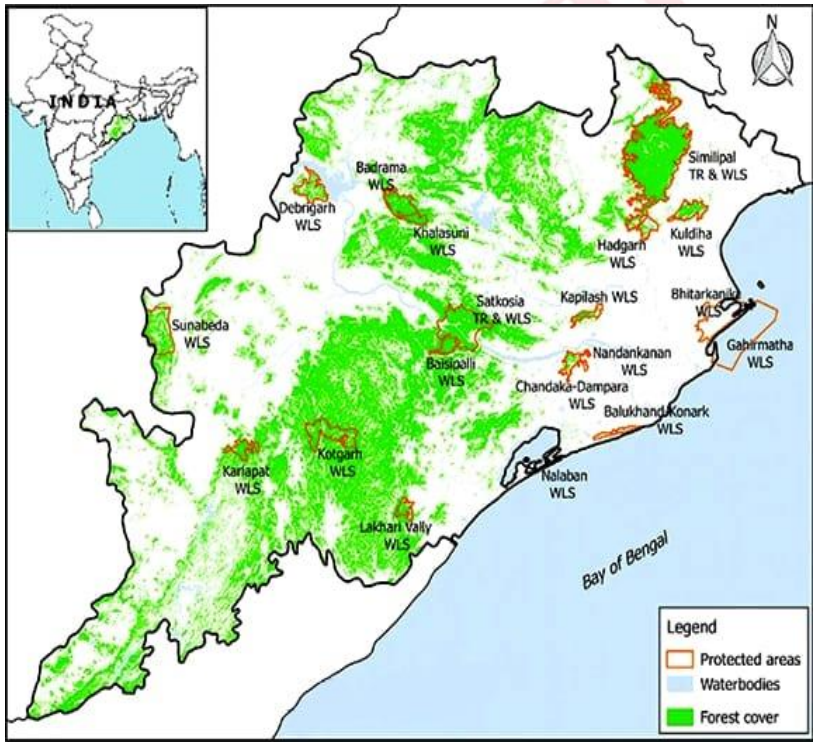

भारत दूसरा सबसे बड़ा राजमार्ग नेटवर्क वाला देश

- हाल ही में भारत ने चीन को पछाड़कर रोड नेटवर्क में अपना दबदबा कायम कर दिया है। अमेरिका के बाद भारत दुनिया का सबसे बड़ा रोड नेटवर्क वाला देश बन गया है। नौ सालों में भारत में **1.45 लाख किमी का रोड नेटवर्क** तैयार किया है। नितिन गडकरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए इसकी जानकारी दी।
- भारत ने 9 सालों में विशाल रोड नेटवर्क का निर्माण किया है। साल 2014 के बाद से भारत में 1.45 लाख किमी का लंबा रोड नेटवर्क तैयार हो गया है। 9 सालों में भारत में बढ़ते सड़कों के जाल ने उसे बड़ी कामियाबी दी है।
- राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क देश में सभी वस्तुओं का **64.5%** परिवहन करता है।
- भारत के कुल यात्री यातायात का 90% आवागमन राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के द्वारा ही सम्पन्न होता है।
- 4-लेन वाला राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क 2013-14 के 18,371 किमी से बढ़कर वर्तमान में 44,654 किमी हो गया है।
- **FASTags** के उपयोग से टोल प्लाजा पर प्रतीक्षा समय को 47 सेकंड तक कम करने में मदद मिली है, जिसे 2047 तक पूरी तरह से समाप्त करने की परिकल्पना की गई है।

- भारतमाला परियोजना में सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क कनेक्टिविटी विकसित करने, गैर-प्रमुख बंदरगाहों के लिए सड़क कनेक्टिविटी सहित तटीय सड़कों के विकास की दृष्टि से **लगभग 26,000 किमी** लंबाई के आर्थिक गलियारे के विकास की परिकल्पना की गई है।
- **वित्त वर्ष 2019-25** के लिए राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) का उद्देश्य नागरिकों को विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा प्रदान करना और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। वित्त वर्ष 2019-25 में सड़क क्षेत्र में 18% पूंजी व्यय होने की संभावना है।
- **राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी):** कार्यक्रम का रणनीतिक उद्देश्य संस्थागत और दीर्घकालिक पूंजी का उपयोग करके ब्राउनफील्ड सार्वजनिक क्षेत्र की संपत्तियों में निवेश के मूल्य को बढ़ाना है, जिसे बाद में सार्वजनिक निवेश के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।
- नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (एनईटीसी) विकसित किया है जो निपटान और विवाद प्रबंधन के लिए क्लीयरिंग हाउस सेवाओं सहित एक इंटरऑपरेबल राष्ट्रव्यापी टोल भुगतान ढांचा प्रदान करता है।
- राजमार्ग क्षेत्र में सार्वजनिक-निजी-भागीदारी (पीपीपी) को सड़क क्षेत्र में 100% तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के माध्यम से बढ़ावा दिया जाता है, परियोजनाओं को व्यवहार्य बनाने के लिए परियोजना लागत का 40% तक सब्सिडी का प्रावधान, लगातार 100% कर छूट परियोजना के चालू होने के बाद 20 वर्षों तक आदि।

➔ पीएम गति शक्ति - मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान, बुनियादी ढांचा कनेक्टिविटी परियोजनाओं की एकीकृत योजना और समन्वित कार्यान्वयन के लिए रेलवे और रोडवेज सहित **16 मंत्रालयों** को एक साथ लाने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया गया ।

भारत का चालू खाता घाटा

- भारत का चालू खाता घाटा (CAD) वित्त वर्ष 2022 2023 की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के **0.2 प्रतिशत** तक कम हो गया, जो पिछली तिमाही में 2 प्रतिशत था।
- चालू खाता घाटा किसी देश के बाहरी क्षेत्र का एक प्रमुख संकेतक है।
- किसी देश द्वारा आयात की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य उसके द्वारा निर्यात किए जाने वाले उत्पादों के मूल्य से अधिक हो जाता है, तो इसे चालू खाता घाटे के रूप में जाना जाता है।
- राजकोषीय घाटे के साथ-साथ ये दोनों **'जुड़वां घाटा'** बनाते हैं जिन्हें शेयर बाजार और निवेशकों का दुश्मन माना जाता है।
- चालू खाता घाटा मूलतः निवेश और बचत के बीच का अंतर है।
- यदि किसी देश में चालू खाता घाटा है, तो उसे उस अंतर को पूरा करने के लिए विदेशी बचत की आवश्यकता होती है।
- जब चालू खाता घाटा कम होता है, तो अंतर को पूरा करने के लिए कम धन की आवश्यकता होती है। इसे अर्थव्यवस्थ के लचीलेपन का संकेत भी माना जाता है।
- चालू खाते के शेष में **2022-23** में सकल घरेलू उत्पाद का **2 प्रतिशत** घाटा दर्ज किया गया,जबकि 2021-22 में **1.2 प्रतिशत घाटा** हुआ था।

- व्यापार घाटा एक साल पहले के **189.5 अरब डॉलर** से बढ़कर **265.3 अरब डॉलर** हो गया।
- **वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही** में संकीर्ण बाहरी असंतुलन ने वित्त वर्ष 23 के चालू खाता घाटा को सकल घरेलू उत्पाद के 2 प्रतिशत पर रखने में मदद की, जबकि बाजार की अपेक्षा **3-3.5 प्रतिशत से अधिक** की कमी थी।

INDIA'S CAD PROFILE (IN $ BN)

	Q3FY22	Q3FY23
Current account balance	-22.2	-18.2
Goods	-59.7	-72.7
Services	27.8	38.7
Primary income	-11.5	-12.7
Secondary income	21.3	28.5

Current account balance (deficit/surplus) as % of GDP)

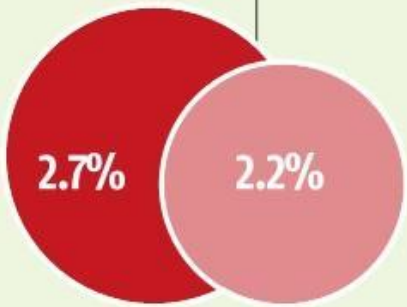

Note: '-' denotes deficit
Source: RBI

कोसोवो

➔ **राजधानी :** प्रिस्टिना

➔ कोसोवो में जातीय सर्ब लोगों ने नाटो शांति सैनिकों पर हमला किया है। इस हमले में दर्जनों शांति सैनिक घायल हुए हैं। शांति सैनिकों पर हमला दुर्लभ घटना मानी जा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि जातीय सर्ब इतने आक्रोशित क्यों हैं और सर्बिया-कोसोवो के बीच विवाद का कारण क्या है।

- कोसोवो यूरोप के बाल्कन क्षेत्र में स्थित एक भू-आबद्ध देश है । यह अल्बानिया, उत्तर मैसेडोनिया, मोंटेनेग्रो और सर्बिया से घिरा हुआ है।
- कोसोवो ने अपने सर्ब और मुख्य रूप से अल्बानियाई निवासियों के बीच लंबे समय से जारी तनावपूर्ण संबंधों के बाद वर्ष 2008 में सर्बिया से अपनी एकतरफा स्वतंत्रता की घोषणा की थी ।
- यह भौगोलिक दृष्टि से पर्वतीय क्षेत्र है। यहां तीव्र ढाल वाली चोटियां और संकीर्ण घाटियां पाई जाती हैं।
- यहां की जलवायु महाद्वीपीय है। यहां शीत ऋतु अत्यधिक ठंडी व शुष्क होती है तथा ग्रीष्म ऋतु बहुत गर्म व आर्द्र होती है।
- सर्बिया की मंजूरी के बिना कोसोवो संयुक्त राष्ट्र का सदस्य देश नहीं बन सकता क्योंकि रूस और चीन में उसके राजनयिक सहयोगी हैं जो इस तरह के फैसले पर वीटो करेंगे।
- 2013 में, दोनों यूरोपीय संघ की मध्यस्थता में ब्रुसेल्स समझौते पर पहुंचे।
- यह समझौता ज़मीन पर पूरी तरह से लागू नहीं किया गया था, लेकिन चुनावों में सर्बों की भागीदारी को सुविधाजनक बनाया गया था।
- **राष्ट्रपति :** Vjosa Osmani
- **सरकार का स्वरूप :** एकात्मक संसदीय गणतंत्र
- **मुद्रा :** यूरो
- **प्रमुख नदी :** इबर नदी।